हर लम्हा मुझे याद है

हर लम्हा मुझे याद है

तुम्हारे साथ बिताया वह पल

हर लम्हा याद है

वह बीता हुआ कल

तेरी वह बातें

हमारी मुलाकातें

तुम्हारे सपने

मैरे सपने

हर वह ख्वाब

जो हकीकत में हमें बदलना था

तुम चाहती जो भी

हमे वह सपना पूरा करना था

तेरी आवाज़

वो आखरी सॉस

वो आखरी लम्हा

जिसे सोच मेरी ऑखें

अब भीग जाती

वह आखरी लम्हा थम जाए

रूक जाए वक्त की वह करवट

एक मौका और मैं तलाशता

तुमहे दिल का हाल बताने को

वक्त के पहिए

मुझे कब मनज़िल पर लाए

शोभित अग्रवाल